भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. 2529
सोमवार, 4 अगस्त, 2025/13 श्रावण, 1947 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

इको-टूरिज्म के अंतर्गत सुहेलवा वन्यजीव अभयारण्य का विकास

2529. श्री राम शिरोमणि वर्मा:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार की उत्तर प्रदेश के बलरामपुर और श्रावस्ती जिलों में नेपाल सीमा के निकट स्थित सुहेलवा वन्यजीव अभयारण्य को इको-पर्यटन सर्किट या बौद्ध सर्किट में एक इको-टूरिज्म स्थल के रूप में विकसित करने की कोई योजना है;

(ख) क्या सरकार इन जिलों को "स्वदेश दर्शन योजना", "प्रसाद योजना" या किसी अन्य ग्रामीण या इको-टूरिज्म परियोजना के अंतर्गत विकसित करने का विचार रखती है;

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है;

(घ) क्या केंद्र सरकार राज्य सरकारों के समन्वय से इस क्षेत्र में प्राकृतिक पथ, वन्यजीव अवलोकन केंद्र, स्थानीय गाइडों के लिए प्रशिक्षण और इको-लॉज, इको-कैफे या कैंपिंग सुविधाएं प्रदान करने का विचार रखती है;

(ङ) क्या इस क्षेत्र के विकास के लिए स्थानीय निवासियों, विशेषकर वनवासी जनजातीय समुदायों को स्वरोजगार और प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु कोई एकीकृत कार्यक्रम शुरू किया गया है;

(च) यदि हाँ, तो इन प्रयासों के संबंध में नवीनतम प्रगति, व्यय का ब्यौरा और लाभार्थियों की संख्या क्या है; और

(छ) क्या पर्यटन सेवाओं के सुचारू संचालन के लिए स्थानीय ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया है और यदि हाँ, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान की-गई-कार्रवाई और प्रस्तावित योजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (छ): पर्यटक स्थलों और पर्यटन उत्पादों का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)', 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' - स्वदेश दर्शन की एक उप-योजना, 'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता (एसीए)' नामक अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को योजना

दिशानिर्देशों के अनुपालन, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की प्रस्तुति, धन की उपलब्धता, पारस्परिक प्राथमिकता आदि के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान करके पर्यटन अवसंरचना विकास संबंधी उनके प्रयासों को संपूरित करता है। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने अपनी 'पूंजी निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई)' नामक पहल के अंतर्गत पर्यटन परियोजनाओं के विकास हेतु राज्यों को वित्तीय सहायता भी प्रदान की है। उपर्युक्त योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं में पारिस्थितिकी पर्यटन, वन्यजीव आदि सहित कई पहलू शामिल हैं।

उपर्युक्त योजनाओं के अंतर्गत पर्यटन मंत्रालय सतत पर्यटन, सामुदायिक भागीदारी और स्थानीय परामर्श के सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसके अतिरिक्त, स्वीकृत परियोजनाओं का संचालन और प्रबंधन संबंधित राज्य सरकार द्वारा किया जाता है। स्वीकृत परियोजनाओं के अंतर्गत, नेचर ट्रेल, लॉग हट्स, कैफेटेरिया, इंटरप्रिटेशन सेंटर, आश्रय स्थल, पार्किंग, अंतिम मील तक कनेक्टिविटी आदि जैसे विभिन्न कार्यों को उनकी प्रकृति के आधार पर अनुमोदित किया जाता है। उत्तर प्रदेश राज्य में एसडी, एसडी 2.0, सीबीडीडी, प्रशाद, एसीए और एसएएससीआई योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में है।

उत्तर प्रदेश के बलरामपुर और श्रावस्ती जिलों में स्थित सुहेलवा वन्यजीव अभयारण्य के विकास के लिए वर्तमान में कोई परियोजना उपर्युक्त योजनाओं के तहत पर्यटन मंत्रालय के विचारार्थ सूचीबद्ध नहीं है।

जनजातीय क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय ने हाल ही में राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा प्रस्ताव तैयार करने के लिए टेम्पलेट के साथ-साथ 'जनजातीय क्षेत्रों में होमस्टे के विकास' के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं।

पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने अतुल्य भारत पर्यटन परिवेश के अधिकतम उपयोग के लिए भारतीय पर्यटन उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु प्रशिक्षित पर्यटक सुविधा प्रदाताओं और गाइडों की संख्या बढ़ाने के लिए अतुल्य भारत पर्यटक सुविधा प्रदाता प्रमाणन (आईआईटीएफसी) शुरू करवाया है। यह कार्यक्रम वर्ष 2020 में शुरू हुआ था और इस संबंध में दिए गए प्रशिक्षण का विवरण निम्नानुसार है:

पाठ्यक्रम नामांकन डेटा		**उत्तीर्ण/ओसीसी से डाउनलोड किया गया डाटा**	
पाठ्यक्रम	**नामांकन**	**संख्या**	**टिप्पणी**
बेसिक (आईआईटीएफसी)	14259	7014	लागू नहीं
पुनश्चर्या	2770	2652	अभ्यर्थी जिन्होंने ओसीसी प्रमाणपत्र डाउनलोड किया
आईआईटीजी-एडवांस (हेरिटेज)	2084	374	दो चरणों में
भाषाई	-	206	लागू नहीं

पर्यटन मंत्रालय ने 'पर्यटन मित्र' और 'पर्यटन दीदी' नाम से एक राष्ट्रीय जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन पहल भी शुरू की है, जिसके तहत मार्च, 2025 तक लगभग 3994 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने सूचित किया है कि उसने वन एवं वन्यजीव वाले क्षेत्रों में सतत् पारिस्थितिकी-पर्यटन 2021 के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। मंत्रालय, उत्तर प्रदेश सहित राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों से प्राप्त वार्षिक परिचालन योजना (एपीओ) के अनुसार, वन्यजीवों के संरक्षण एवं प्रबंधन तथा उनके आवासों के विकास हेतु केंद्र द्वारा प्रायोजित योजना "वन्यजीव आवास विकास" के अंतर्गत राज्यों/ संघ राज्यक्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस योजना के अंतर्गत सहायता प्राप्त गतिविधियों में पारिस्थितिकी-पर्यटन भी शामिल है। सुहेलवा वन्यजीव अभयारण्य को पारिस्थितिकी-पर्यटन गतिविधि के लिए कोई धनराशि आवंटित नहीं की गई है।

पिछले तीन वर्षों के दौरान इस योजना के अंतर्गत सुहेलवा वन्यजीव अभयारण्य को जारी की गई राशि का विवरण निम्नानुसार है:

वर्ष	**जारी राशि (लाख रु. में)**
2022-2023	27.94
2023-2024	34.85
2024-2025	44.08

*****

अनुबंध

श्री राम शिरोमणि वर्मा द्वारा इको-टूरिज्म के अंतर्गत सुहेलवा वन्यजीव अभयारण्य का विकास के संबंध में दिनांक 04.08.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या 2529 के भाग (क) से (छ) के उत्तर में **विवरण**

पर्यटन मंत्रालय की योजनाओं के तहत उत्तर प्रदेश राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**परिपथ/ स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
	स्वदेश दर्शन		
1.	श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का विकास	बौद्ध परिपथ 2016-17	87.89
2.	चित्रकूट एवं श्रृंगवेरपुर का विकास	रामायण परिपथ 2016-17	69.45
3.	अहर - अलीगढ़ - कासगंज - सरोसी (उन्नाव) - प्रतापगढ़ - कौशांबी - मिर्जापुर - गोरखपुर - डुमरियागंज - बस्ती - बाराबंकी - आजमगढ़ - कैराना - बागपत - शाहजहांपुर का विकास	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	71.91
4.	बिजनौर - मेरठ - कानपुर - कानपुर देहात - बांदा - गाजीपुर - सलेमपुर - घोसी - बलिया - अम्बेडकर नगर - अलीगढ़ - फतेहपुर - देवरिया - महोबा - सोनभद्र - चंदौली - मिश्रिख - भदोही का विकास	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	67.51
5.	कालिंजर किला (बांदा) - मगहर धाम (संतकबीर नगर) - चौरीचौरा, शहीद स्थल (फतेहपुर) - महुआर शहीद स्थल (घोसी) - शहीद स्मारक (मेरठ) का विकास	विरासत परिपथ 2016-17	36.65
6.	अयोध्या का विकास	रामायण परिपथ 2017-18	127.21
7.	जेवर - दादरी - सिकंदराबाद - नोएडा - खुर्जा - बांदा का विकास	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	12.03
8.	गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीपट्टन मंदिर (बलरामपुर) एवं वटवाशिनी मंदिर (डुमरियागंज) का विकास	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	18.30
	प्रशाद योजना		

1.	वाराणसी का विकास - चरण-I	2015-16	18.73
2.	मथुरा - वृंदावन का मेगा पर्यटक परिपथ के रूप में विकास (चरण-II)	2014-15	10.98
3.	वाराणसी में रिवर क्रूज पर्यटन का विकास	2017-18	9.02
4.	वृंदावन में पर्यटक सुविधा केंद्र का निर्माण	2014-15	9.36
5.	वाराणसी का विकास - चरण II	2017-18	44.60
6.	गोवर्धन में मूलभूत सुविधाओं का विकास	2018-19	37.59
स्वदेश दर्शन 2.0			
1.	आज़ाद पार्क और देखो प्रयागराज ट्रेल अनुभव	2023-24	14.52
2.	नैमिषारण्य में वैदिक - कल्याण अनुभव	2023-24	17.80
सीबीडीडी			
1.	महोबा में सांस्कृतिक भू-दृश्य का विकास	2024-25	24.98
केंद्रीय एजेंसियों को सहायता			
1.	आगरा कैंट रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	2013-14	5.05
2.	रायबरेली रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	2013-14	4.44
3.	वाराणसी/सारनाथ में स्मारकों की प्रकाश व्यवस्था (सारनाथ में धमेख स्तूप, सारनाथ में चौखंडी स्तूप, सारनाथ में लालकन का मकबरा और बनारस में मान महल)	2014-15	5.12
4.	उत्तर प्रदेश के वाराणसी में तीन स्मारकों की प्रकाश व्यवस्था - 1. दशाश्वमेध घाट से दरभंगा घाट (300 मीटर का विस्तार) 2. तुलसी मानस मंदिर 3. सारनाथ संग्रहालय	2017-18	2.93
पूंजी निवेश के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को विशेष सहायता (एसएएससीआई)			
1.	जिला-आगरा में बटेश्वर का विकास	2024-25	74.05
2.	श्रावस्ती में एकीकृत बौद्ध पर्यटन विकास	2024-25	80.24

*****